कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK-004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.एस.के.-004 : आधुनिक संस्कृत साहित्य और साहित्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल* **दो** *खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों के अनुसार ही उत्तर दीजिए। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड-'क'

निर्देश : अधोलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. आधुनिक संस्कृत साहित्य में विविध विषयगत रचनाओं पर पठित अंश के अनुसार विस्तृत प्रकाश डालिए।
2. अनूदित साहित्य क्या है ? विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. पण्डिता क्षमाराव के जीवन और रचना-संसार का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. आधुनिक संस्कृत साहित्य में गद्यरचना से आप क्या समझते हैं ? विविध गद्यरचना का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. पठित अंश के आधार पर कुछ प्रमुख साहित्यकारों का उल्लेख कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की व्याख्या कीजिए :

(क) सरांशि शुष्काणि कुलायभूमौ
परासवश्चापि विहंगवत्साः ।
द्रुमोल्लसद्वृन्तनिकायलग्ना
न पल्लवाः प्राणभृतिं प्रयाताः ।।

(ख) अथप्रजाभिः समवेतवाग्भिः
निवेदितो भूमिपतिः कृतात्मा ।
कुलप्रसूतो ननुमैथिलानां
शुशोच सीरध्वजपुण्यनामा ।।

खण्ड-'ख'

निर्देश: निम्नलिखित में से किसी **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हं। $4 \times 10 = 40$

7. नाट्यरचना विधा पर प्रकाश डालिए।

8. पद्यरचना का आधुनिक संस्कृत साहित्य में क्या स्वरूप है ? वर्णन कीजिए।

9. प्रोफेसर अभिराज राजेन्द्र की रचनाधर्मिता का उल्लेखन कीजिए।

10. प्रोफेसर राधावल्लभ त्रिपाठी के रचना-संसार पर प्रकाश डालिए।

11. मीरा लहरी के प्रथम खण्ड का सारांश लिखिए।

12. रेवाप्रसाद द्विवेदी के मत अलंकार की अवधारणा क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

13. काव्य के आत्मतत्व के विषय में रेवाप्रसाद द्विवेदी का क्या मत है ? उल्लेख कीजिए।